MTHL के बाद वर्सोवा-विरार सी लिंक

पश्चिमी एमएमआर में सफर होगा आसान, मेगा प्रोजेक्ट से बढ़ेगी मुंबई की कनेक्टिविटी

■ सूर्यप्रकाश मिश्र @ नवभारत.

मुंबई. समुद्र में बने देश के सबसे लंबे सी ब्रिज एमटीएचएल के शुरू हो जाने के बाद अब आने वाले समय में मुंबई के पश्चिमी एमएमआर इलाके में कनेक्टिविटी को लेकर क्रांतिकारी परिवर्तन लाए जाने की योजना बनाई गई है. इसके लिए समुद्र के रास्ते मुंबई को सीधे पालघर जिले के विरार से जोड़ने के लिए 43 किमी लंबे वर्सोवा-विरार सी लिंक के निर्माण की योजना बनी है. एमएमआरडीए द्वारा प्रस्तावित वर्सोवा-विरार सी लिंक को राज्य सरकार ने हरी झंडी दी है. पता चला है कि आने वाले चुनाव के पहले ही इस बहुद्देशीय मेगा प्रोजेक्ट पर सरकार अंतिम निर्णय लेने वाली है.

होगा सबसे बड़ा सी लिंक : मुंबई से नवी मुंबई को जोड़ने वाले 22 किमी लंबे देश के सबसे बड़े मुंबई ट्रांसहार्बर अटल सेतु पर यातायात शुरू हो गया है. इसके बाद अब मुंबई के पश्चिमी तट पर 43 किमी लंबा प्रस्तावित वर्सोवा-विरार सी लिंक देश का सबसे बड़ा समुद्री ब्रिज होगा. यह लगभग 1 किमी समुद्र के किनारे के अंदर से होकर जाएगा. अधिकरियों के अनुसार देश के इंफ्रा मार्बल के रूप में यह सी ब्रिज विश्व के 3 शीर्ष समुद्री ब्रिज में शामिल होगा. एमएमआरडीए नरीमन प्वाइंट और कोलाबा के बीच एक अन्य समुद्री लिंक पर भी काम शुरू करने जा रहा है. इसके अलावा बांद्रा से वर्सोवा सी लिंक का काम एमएसआरडीसी के माध्यम से शुरू है.

उपनगरों में बदलेगा आवागमन का स्वरूप

वर्सोवा-विरार सी लिंक से मुंबई और एमएमआर के उपनगरों में आवागमन का चेहरा बदल जाएगा. यह सी ब्रिज वेस्टर्न एक्सप्रेस हाईवे, एसवी रोड और लिंक रोड जैसे प्रमुख मार्गों पर यातायात की भीड़ को काफी हद तक कम करने के साथ मुंबई में आवागमन समस्याओं के लिए भविष्य का बड़ा समाधान भी होगा. इस परियोजना के तहत चारकोप, उत्तन, वसई और विरार जैसे उपनगरों में कनेक्टर बनेंगे, जिससे कनेक्टिविटी तेजी से बढ़ेगी. वैसे पहले इसे एमएसआरडीसी ने बनाने की योजना बनाई थी, लेकिन अब इसका प्रस्ताव एमटीएचएल बनाने वाले एमएमआरडीए द्वारा ही तैयार किया गया है.

1 घंटे में नरीमन पॉइंट से विरार

वर्सोवा-विरार सी लिंक बनने के बाद मुंबई से विरार तक की 3 घंटे की यात्रा घट कर 1 घंटे हो जाएगी. 43 किलोमीटर लंबी एलिवेटेड 8-लेन (4+4 कॉन्फिगरेशन) सड़क बनने से आवागमन आसान हो जाएगा. इस समय मुंबई से विरार पालघर के उपनगरों को जोड़ने के लिए एकमात्र तेज साधन लोकल ही है. इस महत्वाकांक्षी परियोजना को विशेष रूप से डिज़ाइन किया गया है. देश के सबसे लंबे दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे से भी यह कनेक्ट हो सकेगा.

जापान की मदद

उल्लेखनीय है कि जापान सरकार की कंपनी जायका के माध्यम से एमटीएचएल, मेट्रो-3 के साथ बुलेट ट्रेन जैसी परियोजना साकार हो रही है. वर्सोवा-विरार सी लिंक के निर्माण में जापान सरकार के सहयोग का आश्वासन भी उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस को उनके जापान दौरे के दौरान मिल गया है. एमएमआरडीए के वरिष्ठ अधिकारी के अनुसार वर्सोवा-विरार सी लिंक प्रोजेक्ट का प्रस्ताव आर्थिक मामलों के मंत्रालय के पास भेजा है, इसकी मंजूरी मिलते ही जायका सहयोग करेगा.

2 चरणों में पूरी होगा वर्सोवा-विरार सी लिंक

■ बताया गया है कि दो चरणों में पूरी होने वाली वर्सोवा-विरार सी लिंक परियोजना में 63,426 करोड़ रुपये की लागत आएगी. यह राशि एमटीएचएल के निर्माण में लगी लागत की तीन गुना है.

■ प्रोजेक्ट का पहला चरण वसई तक और दूसरा चरण विरार तक विस्तारित होगा. यह भी यह ओपन टोल ब्रिज होगा, जिस पर रोजाना 80 से 85 हजार वाहनों के आवागमन का अंदाज लगाया गया है.